Main principles and objectives of Indian foreign policy.

भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्त निम्नलिखित हैं।

(I) गुट निरपेक्षता (Non Alignment)

(II) साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद का विरोध
(opposition to imperialism and colonialism)

(III) नस्लवादी भेदभाव का विरोध —
(opposition to Racial discrimination)

(IV) साधनों की शुद्धता (Purity of means)

(V) पंचशील और शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व
(Panchsheel) April 29 1954

(i) Mutual respect for each other's territorial integrity and sovereignty

(ii) Mutual Non-aggression

(iii) Mutual Non-interference

(iv) Equality and mutual benefit

(v) Peaceful co-existence.

(6) संयुक्त राष्ट्र संघ तथा विश्व शान्ति के लिए समर्थन
(support for ~~world~~ U.N.O and world Peace)

(7) तीसरे विश्व के साथ एकता
(Unity with Third world Countries.)

(8) सभी के साथ मित्रता (Friendship with all)

Scanned with CamScanner

(9) भारत के राष्ट्रीय हितों पर आधारित स्वतन्त्र विदेश नीति (Independent foreign policy based on national interest)

(10) निशस्त्रीकरण का समर्थन (Supporting disarmament)

(11) परमाणु नीति (Nuclear Policy)

(12) सार्क से सहयोग (co-operation to Saarc)

इन उपर्युक्त सिद्धान्तों को भारत ने अपनी विदेश नीति में अपनाया है। इन सिद्धान्तों ने भारत को उसके उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता प्रदान की है तथा भारतीय विदेश नीति को गति प्रदान की है।

भारतीय विदेश नीति के आधारभूत उद्देश्य — Fundamental objectives of Indian foreign policy

भारत की विदेश नीति के उद्देश्य सदैव अन्तर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा में विश्वास रहा है। भारतीय संविधान की धारा 51 में भारतीय विदेश नीति के उद्देश्य वर्णित है —

(क) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा का प्रचार करना

(ख) राज्यों के बीच मित्रतापूर्ण सम्बन्धों को बनाये रखना।

(ग) राज्यों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय कानून और सन्धि

के प्रति आदर बढ़ाना।

(ब) अन्तर्राष्ट्रीय विवादों को मध्यस्थता द्वारा निपटारे के लिए प्रोत्साहन देने का प्रयास करना।

भारतीय विदेश नीति के प्रमुख लक्ष्य इस प्रकार हैं—

(i) भारत को विश्व की महान प्रभावशाली शक्ति बनाना।

(ii) भारत के आर्थिक विकास के लिए दूसरे देशों से आर्थिक सहायता प्राप्त करना

(iii) एशिया तथा अफ्रीका के देशों के स्वतन्त्रता आन्दोलनों का समर्थन करना।

iv राष्ट्रमण्डल के देशों से घनिष्ठ सम्बन्ध बनाये रखना।

(v) राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करना।

(vi) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास हेतु आवश्यक परिस्थितियों की सृष्टि करना

(vii) प्रवासी भारतीय के हितों की रक्षा करना।

(viii) पारस्परिक आर्थिक तथा जनहित के सम्बन्ध एशिया एवं अफ्रीका के देशों को संगठित करना

(ix) इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए और सम्पूर्ण मानवता के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए सभी अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों और विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र संघ सक्रीय सहयोग करना।

भारत की विदेश नीति के उद्देश्यों और लक्ष्यों में आदर्श और यथार्थ का सुन्दर समन्वय है। प्रत्येक राष्ट्र अपनी नीतियों से राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि महत्व देता है और विदेश नीति की सफलता की सबसे बड़ी कसौटी इस बात में है कि

Scanned with CamScanner

वह राष्ट्रीय हित की रक्षा करने में कहाँ तक सफल हुई। स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् घोर कठिनाइयों के बावजूद भारत की विदेश नीति ने राष्ट्रीय हितों का पोषण और संवर्धन किया है।

Scanned with CamScanner